Prabhat Khabar (Date: - 19/09/2019)

समारोह. प्रस्वावित नयी शिक्षा नीति में संवैधानिक पक्ष स्पष्ट नहीं

शिक्षा के लिए राज्य को मिले और अधिक राशि : मुख्यमंत्री

संवाददाता ▷ पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार द्वारा तैयार नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मसौदे पर कहा कि इसमें संवैधानिक पक्ष स्पष्ट नहीं है. बुधवार को मगध महिला कॉलेज परिसर में छात्रावास शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित शिक्षा नीति अस्पष्ट है. उसे कैसे संचालित किया जायेगा, उसकी संवैधानिक स्थिति क्या होगी? इसका कोई अता-पता नहीं है. उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में राज्य को केंद्र से और अधिक राशि मिलने की जरूरत बतायी.

दो दिन बाद बिहार रखेगा अपना पक्ष : मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रस्तावित राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध नहीं कर रहे, लेकिन अभी काफी कुछ स्पष्ट किया जाना चाहिए. इस मामले में राज्य के अपने अनुभव हैं. शिक्षा व्यवस्था को पंचायत, नगर निकाय और दूसरी संस्थाएं चला रही हैं. नयी शिक्षा नीति में इन संस्थाओं के बारे में कुछ भी नहीं है. इसलिए हम अपना पक्ष रखेंगे. मुख्यमंत्री ने कहा कि दो दिन बाद राज्य के प्रतिनिधि के तौर पर शिक्षा मंत्री और विभाग के प्रधान सचिव अपना मत केंद्र के सामने रखने दिल्ली जा रहे हैं. नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कुल बजट की 20% राशि करने का निर्णय लिया है. इससे प्रदेश में शिक्षा की तस्वीर ● बाकी पेज 17 पर

मगध महिला कॉलेज में हॉस्टल का शिलान्यास

मगध महिला कॉलेज में हॉस्टल के शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार. **देखें लाइफ@ पटना भी**

विवि के स्वर्ण पदक विजेता विद्यार्थियों को 31-31 हजार रुपये

समारोह में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के स्वर्ण पदक विजेता विद्यार्थियों को 31-31 हजार रुपये देने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि चालू शैक्षणिक सत्र से इसकी शुरुआत हो जायेगी. प्रदेश के विश्वविद्यालयों में सालाना करीब 400 से अधिक स्वर्ण पदक विजेता विद्यार्थी होते है, यह सम्मान राशि दी जायेगी.

बिहार में शिक्षा का बजट आठ गुना बढ़ा

सीएम ने कहा कि जब उन्होंने 2005-2006 में सत्ता संभाली थी, तब प्रदेश में शिक्षा का बजट मात्र 4261 करोड़ था, जो 2018-19 में बढ़कर 32 हजार करोड़ हो गया है. कन्या उत्थान योजना, मुख्यमंत्री बिहार उन्नयन योजना और स्टूडेंट क्रेडिट योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे लड़कियों का सामाजिक और शैक्षणिक परिदृश्य बदला है.

मगध महिला, बापू भवन और सभ्यता द्वार का स्ट्रक्चर एक जैसा दिखना चाहिए

नीतीश कुमार ने कहा मगध महिला कॉलेज, बापू भवन और सभ्यता द्वार का स्ट्रक्चर एक जैसा दिखना चाहिए, ताकि सभी एक प्रांगण का हिस्सा लगे. इससे पूरे परिसर की खूबसूरती बढ़ जायेगी. उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऐसे कई लोग है, जिनका विकास से कोई लेना-देना नहीं है. वे बेमतलब के काम में लगे रहते हैं. ऐसे लोग प्रशासन में भी हैं, लेकिन वे उसकी सजा भी भुगतते हैं.

Prabhat Khabar (Date: - 19/09/2019)

अब विश्वेश्वरैया भवन होगा सात मंजिला, बनेगी पार्किंग

पटना. राज्य सरकार का विश्वेश्वरैया भवन सचिवालय छह मंजिल की जगह अब सात मंजिला होगा. नया सातवां मंजिल स्टील (प्रीफेब) से बनाया जायेगा. वहीं सीडीए और एनएच कार्यालय की जगह एक नया सात मंजिला (जी प्लस सेवन) टावर बनेगा. इस परिसर में पार्किंग, गार्ड रूम और फव्वारे भी बनाये जायेंगे. इसकी जिम्मेवारी भवन निर्माण विभाग को मिली है. इसके लिए डीपीआर बन चुका है और टेंडर निकाला जा चुका है. एजेंसी को टेंडर दिये जाने के बाद 18 महीने में इस निर्माण कार्य को पूरा करने की समय सीमा है. ऐसे में इसे 2021 में बनकर तैयार होने की संभावना है. राज्य सरकार के कैबिनेट ने इस भवन में बदलाव करने के लिए सितंबर 2018 में 61 करोड़ 62 लाख रुपये की मंजूरी दी थी. भवन निर्माण विभाग के सूत्रों का कहना है कि विश्वेश्वरैया भवन में इस समय करीब सात विभागों के कार्यालय हैं. इन सातों के मंत्री, बड़े-छोटे अधिकारी और कर्मचारी यहां बैठते हैं. ऐसे में यहां प्रतिदिन हजारों लोगों का आना-जाना लगा रहता है. इस समय यहां गाड़ियों की पार्किंग बड़ी समस्या है. साथ ही यहां 24 घंटे ड्यूटी देने वाले सुरक्षाकर्मियों के लिए रूम की जरूरत है. इसे लेकर सरकार ने भवन में बदलाव का निर्णय लिया है.

क्या कहते हैं अधिकारी

इस बारे में भवन निर्माण विभाग के इंजीनियर इन चीफ सह विशेष सचिव योगेंद्र सिंह ने बताया कि इस समय टेंडर की प्रक्रिया चल रही है. यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा.

Prabhat Khabar (Date: - 19/09/2019)

राज्यपाल फागू चौहान ने किया पिंडदान

संवाददाता ▷ गया

राज्यपाल फागू चौहान ने मंगलवार को विष्णुपद मंदिर परिसर में पितरों का पिंडदान किया. भाई शिव कुमार चौहान के साथ राज्यपाल सुबह लगभग नौ बजे गया एयरपोर्ट पहुंचे. वहां से डीएम अभिषेक सिंह व एसएसपी राजीव मिश्र उन्हें लेकर विष्णु पद मंदिर पहुंचे. यहां गयापाल पंडा अमरनाथ धोकड़ी के नेतृत्व पंडितों के समूह ने कर्मकांड कराया. इसके बाद पंडा ने उन्हें विष्णु चरण भी भेंट किये. इसके बाद राज्यपाल महाबोधि मंदिर में पूजा-अर्चना की. इसके बाद महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक अनागारिक धर्मपाल की 155वीं जयंती समारोह में शामिल हुए. सोसाइटी के महाबोधि विद्यापीठ परिसर में राज्यपाल ने महाबोधि अंतरराष्ट्रीय पालि व बौद्ध अध्ययन संस्थान का उद्घाटन किया और कहा कि बोधगया में विभिन्न देशों के लोग पूजा-अर्चना, श्रद्धा-समर्पण के साथ-साथ बौद्ध साहित्य संबंधी ज्ञान व उपाधि भी अर्जित कर सकेंगे.

विष्णुपद मंदिर में पिंडदान करते राज्यपाल साथ में उनके भाई.

Prabhat Khabar (Date: - 19/09/2019)

मगध महिला कॉलेज. गीत-संगीत से छात्राओं ने नये हॉस्टल के शिलान्यास पर जताई खुशी

एक साल में बनेगा 639 बेडों वाला हॉस्टल

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

मगध महिला कॉलेज में बुधवार को 639 बेड के नये छात्रावास का शिलान्यास करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पीयू के कुलपति डॉ रास बिहारी प्रसाद सिंह व शिक्षा मंत्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा और उपस्थित छात्राएं.

मगध महिला कॉलेज में बुधवार को 639 बेड के नये छात्रावास का शिलान्यास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया. यह हॉस्टल एक साल में बन कर तैयार हो जायेगा. इस मौके पर शिक्षा मंत्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा ने कहा कि जिस तेजी से छात्रावास का शिलान्यास हुआ है उतनी ही तेजी से इसका निर्माण भी होगा. उन्होंने कन्या उत्थान योजना और स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के बारे में बताया. कहा पहले के समय में गांवों की लड़कियां शिक्षित नहीं थी लेकिन आज सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं से लाभ प्राप्त कर लड़कियां शिक्षित हो रही हैं. आप सभी इन योजनाओं का लाभ उठाएं.

पटना विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि आज विश्वविद्यालय में 60 प्रतिशत से ज्यादा छात्राएं पढ़ाई कर रही हैं. हमारी कोशिश है कि कॉलेजों में पीजी तक पढ़ने वाली छात्राओं के लिए अलग छात्रावास मिले. इस आयोजन में बिहार राज्य शिक्षा परियोजना के प्रबंध निदेशक संजय सिंह, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव आरके महाजन, उच्च शिक्षा की निदेशक रेखा कुमारी, मनोज मिश्र, केसी सिन्हा, अनुपम कुमार आदि के अलावा कॉलेज के टीचर्स और छात्राएं मौजूद थीं.

अपनी उपलब्धियों के साथ परेशानियों को किया साझा

इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ शशि शर्मा ने कहा कि कॉलेज का यह ऐतिहासिक पल है. विगत साल जनवरी में मैंने मुख्यमंत्री से 800 बेड वाले हॉस्टल की मांग की थी. जगह की कमी की वजह से हमारा हॉस्टल 639 बेड का ही बन रहा है. यहां कि छात्राएं खास नहीं आम तबके से आती हैं. हर साल कॉलेज का रिजल्ट बेहतर होता है. साल 2018 के रिजल्ट के अनुसार 30-35 प्रतिशत छात्राएं गोल्ड मेडल और 40-45 प्रतिशत छात्राएं रैंक होल्डर हैं. इसके बावजूद हमारा कॉलेज कई परेशानियों से जूझ रहा है. हमारे पास जगह की कमी है, पीजी की बिल्डिंग फरवरी से बन कर तैयार है लेकिन फर्निशिंग के लिए फंड नहीं है, कॉलेज में क्लास रूम की सुविधा नहीं है अगर सरकार की ओर से फंड मिल जाये तो क्लास रूम की सुविधा छात्राओं को मिलने लगेगी. इ लाइब्रेरी में मात्र 24 कंप्यूटर हैं. आपसे आग्रह है छात्राओं के अनुपात के अनुसार सौ कंप्यूटर की इ लाइब्रेरी दे दें. अगले साल जब यह छात्रावास बनकर तैयार हो जायेगा तो आप इसके उद्घाटन के लिए जरूर आये.

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

सांस्कृतिक कार्यक्रम से पहले कॉलेज की ओर से न्यूज बुलेटिन जर्नल मीमांसा का आगत अतिथियों द्वारा लोकार्पण किया गया. जिसके बाद संगीत विभाग की छात्राओं ने स्वागत गान से सभी का स्वागत किया. मुख्यमंत्री के अनुरोध पर कॉलेज की छात्राओं ने पर्यावरण गीत - दूषित करो मत इस वायु को, इससे जीवन चलता है, हरी-भरी हरियाली से सांस सभी का चलता है... गाकर सभी का मन मोहा.

Prabhat Khabar (Date: - 19/09/2019)

पांच दिवसीय मेले के अंतिम दिन जमकर हुई खरीदारी

महिला उद्योग मेले में सवा करोड़ का हुआ कारोबार

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

ज्ञान भवन में आयोजित पांच दिवसीय 25 वां बिहार महिला उद्योग मेला बुधवार को समाप्त हो गया. मेले में सवा करोड़ों का कारोबार हुआ. समापन समारोह को संबोधित करते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री जय कुमार सिंह ने कहा कि महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए काफी काम किया जा रहा है. घर का काम करते हुए भी महिलाओं ने अपने हुनर की पहचान बनायी है. महिलाओं के हुनर को बाजार में लाया जा रहा है. मेले के माध्यम से कई महिलाओं को पहचान मिली है. हमेशा बाजार मिले इसके लिए सभी प्रकार का सहयोग सरकार की तरफ से महिला उद्यमियों और महिला उद्योग संघ को सहयोग किया जायेगा.

समापन समारोह में मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि ज्ञान भवन का सपना अब सकार हो रहा है. इस तरह के मेलों के लिए ज्ञान भवन बेहतर केंद्र है. बिहार के महिला उद्यमियों को हर संभव मदद मिलेगा. एएन कॉलेज की उप प्राचार्या प्रो पूर्णिमा सिंह ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है. उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान के उपनिदेशक अशोक कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार महिला उद्योग संघ एवं उद्योग विभाग द्वारा आयोजित यह मेला काफी बेहतर रहा है.

14 सितंबर से चल रहा था मेला

मेले की शुरुआत 14 सितंबर को हुई थी. मेले में बिहार के अलावा अन्य शहरों के भी स्टॉल लगाये गये थे. बिहार उद्योग महिला संघ की सचिव उषा झा ने बताया कि मेले में सवा करोड़ का कारोबार हुआ. पिछले साल की तरह इस साल भी कपड़े की सबसे ज्यादा बिक्री हुई. इसके साथ ही ज्वेलरी और अन्य सजावटी सामानों की बिक्री काफी हुई. अंतिम दिन बिहार के 15 उद्यमियों को पुरस्कृत किया गया.

उद्योग मेले में एक स्टॉल से खरीदारी करतीं युवतियां.

हस्त निर्मित कलाकृतियों के आकर्षण में बुधवार को अंतिम दिन लोग खींचे चले आये. हर स्टॉल पर लोगों की भीड़ लगी हुई थी. कम-से-कम सामान ले जाना पड़े इसको देखते हुए स्टॉल मालिक ग्राहकों को काफी छूट भी दे रहे थे. भीड़ से विक्रेताओं के चेहरे भी खिले-खिले थे. मेले में 200 स्टॉलों पर डिजाइनर कपड़े, ज्वेलरी, हाउस होल्डिंग के सामान, मंजूषा आर्ट, लकड़ी की बेहतरीन घड़ी, क्रॉकरी के सामान, नक्काशी से सजी कलाकृतियां, हाथ से बने ऊनी वस्त्रों आदि लोगों के आकर्षण के केंद्र बने रहे.

इसके साथ-साथ ही फूड प्रोडक्ट, मखाना, आचार, बेसन, प्लांट नर्सरी और जूस के स्टॉलों पर भी अच्छी भीड़ दिखी.